'वैदिक शिक्षा से ही फैलेगी शांति'

सुल्तानपुर। बृहस्पतिवार को जिले में शिक्षा क्षेत्र का एक और मील का पत्थर साबित हुआ। धनपतगंज के कोरों गांव में वैदिक शिक्षा पद्धति वाले कुरूऊं विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में शामिल बुद्धिजीवियों ने इस कदम को ऐतिहासिक बताया। विश्वविद्यालय का उद्घाटन सूबे के पर्यटन मंत्री विनोद सिंह ने किया। धनपतगंज के कोरों गांव में वैदिक पद्धति वाले कुरूऊं विश्वविद्यालय के उद्घाटन पर पर्यटन मंत्री ने इसे जिले की शिक्षा में मील का पत्थर बताया। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और समाजशास्त्री डा. वीडी मिश्र ने कहा कि शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य डिग्री बांटना नहीं, बल्कि प्रतिभा और योग्य व्यक्तित्व का निर्माण करना है। जेएनयू दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पीएन श्रीवास्तव ने कहा

शुभारंभ

कोरों में कुरुऊं विवि का उद्घाटन लगा विद्वानों का जमावड़ा

कि देश की जीडीपी छह फीसदी शिक्षा क्षेत्र में लागू होनी चाहिऐ। एसोसिएट प्रोफेसर गिरीश झा ने देश को साक्षर बनाने के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट को आवश्यक बताया। कुरूऊं संस्था के निदेशक पीपी सिंह ने कहा कि वैदिक शिक्षा विश्व को शांति और समृद्धि प्रदान कर सकती है। कंबोडिया के पूर्व राजदूत सीएफ भंडारी ने कहा कि भारतीय शिक्षा को भी जोड़ा जाना चाहिए। कार्यक्रम को त्रिनिडाड एवं टौबेगो के थ्री आर फाउंडेशन के अध्यक्ष रामाधीन रामसमुज, लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आरपी सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एसोसिएट्स प्रोफेसर विमला व्यास, नार्थ साउथ फाउंडेशन अमेरिका के अध्यक्ष राघवेंद्र पटौरी, आशालता पांडेय, डा. उमेश सिंह ने भी संबोधित किया।